AICTE की योजनाएं / कार्यक्रम / पहल / नवाचार –

1. स्मॉर्ट इंडिया हैकथॉन
2. स्वयं
3. AICTE-CII – इंडिया इनोवेशन इनिशिएटिव
4. स्वच्छ व स्मार्ट कैपंस अवार्ड
5. स्टार्टअप प्रतियोगिता
6. AICTE विश्वकर्मा पुरस्कार-2020
7. राष्ट्रीय डॉक्टरल फैलोशिप (NDF)
8. प्रगति छात्रवृत्ति
9. सक्षम छात्रवृत्ति
10. प्रेरणा-उच्च शिक्षा शिक्षा के लिए SC/ST के छात्रों को तैयार करने की योजना

Dr. Mukesh Pancholi

11. समृद्धि-स्टार्ट-अप की स्थापना के लिए SC/ST के छात्रों के लिए योजना।
12. प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना (PMSSS)
13. AICTE-IN – यात्रा विकास योजना
14. VKIERI योजना
15. PMRF – प्रधामंत्री अनुसंधान अध्येयता योजना
16. SSPCA

Dr. Mukesh Pancholi

1. स्मार्ट इंडिया हैकथॉन – (2017, 16 अक्टूबर, श्री प्रकाश जावडेकर, मानस संसाधन विकास मंत्री)

स्मार्ट इंडिया हैकथॉन एक राष्ट्रव्यापी पहल है, जो छात्रों को हमारे दैनिक जीवन में आने वाली कुछ दबाव समस्याओं को हल करने के लिए एक मंच प्रदान करता है और इस तरह उत्पाद नवाचार की संस्कृति और समस्या-समाधान की मानसिकता को विकसित करता है।

पहले 3 संस्करण SIH 2017, SIH 2018, SIH 2019 भारत-भर के युवा छात्रों, विशेष रूप से इंजीनियरिंग छात्रों के लिए आउट-ऑफ-द बॉक्स सोच को बढ़ावा देने में सफल साबित हुए। विषयवस्तु – कोई समस्या बड़ी नहीं है – कोई विचार छोटा नहीं है।

Dr. Mukesh Pancholi

SIH 2017 –

इसे दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल उत्पाद विकास का कार्यक्रम माना गया।

अप्रैल, 2017 में यह जयपुर के JECRC, सीतापुरा में हुआ। 36 घंटे लगातार चले कोडिंग कार्यक्रम का नाम गिनिज बुक में रिकॉर्ड हुआ।

SIH 2018 –

PM के डिजिटल इंडिया के दृष्टिकोण को बढ़ावा देने, डिजिटल साक्षरता को विकसित करने व विकास को एक व्यापक जन आंदोलन बनाने के लिए, MHRD, AICTE, IUC ने स्मार्ट इंडिया हैकथॉन-2018 के (दूसरे संस्करण) का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह पहल पूरे राष्ट्र में एक बड़ी सफलता थी।

Dr. Mukesh Pancholi

SIH 2019 –

हैकथॉन का यह संस्करण 5 मिलियन से अधिक, विभिन्न इंजीनियरिंग कॉलेजों के छात्रों के (35 जगहों) प्रतियोगिता की।

SIH 2019 छात्रों को निजी क्षेत्र के संगठनों के भीतर आने वाली चुनौतियों पर काम करने व दुनिया की कुछ शीर्ष कंपनियों के लिए विश्वस्तरीय समाधान बनाने का अवसर मिलेगा।

अंतर्राष्ट्रीय हैकथॉन –

- भारत-सिंगापुर में (इस प्रकार का पहला हैकथॉन)
- नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई पहल।

Dr. Mukesh Pancholi

अब तक 2 संस्करण हो चुके है।

Ist Nov. 2018 (स्मार्ट कैंपस)

IInd Sept. 2019 (अच्छा स्वास्थ्य, गुणवत्ता शिक्षा, सस्ती व स्वच्छ ऊर्जा)

2. स्वयं (SWAYAM) – (Study Webs of Active Learning for Young Aspiring Minds)

'स्वयं' पोर्टल भारत सरकार द्वारा शुरु किया गया है, Online Learning Portal है, जिसके द्वारा डिजिटली लोगों तक शिक्षा पहुँचाना है।

इस पोर्टल को MHRD व AICTE ने Microsoft की मदद से तैयार किया है, यह एक Online Education Portal है।

Dr. Mukesh Pancholi

इसकी घोषणा 1 फरवरी, 2017 को पेश आम बजट में की गई थी, भारत सरकार द्वारा जिसे 9 जुलाई, 2017 को राष्ट्रपति माननीय प्रणब मुखर्जी ने लांच किया।

स्वयं पोर्टल को शिक्षा नीति के 3 आधारभूत सिद्धांतों – पहुँच (Access), निष्पक्षता (Equity) व गुणवत्ता (Quality) को प्राप्त करने के उद्देश्य से बनाया गया है।

विशेष बातें –

1. यह एक Online Learning Portal है, जो विद्यार्थियों के लिए नि:शुल्क है, इस पर कोर्स भी नि:शुल्क है।

Dr. Mukesh Panchol

2. इस पर 9वीं to PG तक के कोर्स उपलब्ध है।
3. जो छात्र प्रमाण-पत्र लेना चाहेंगे, उन्हें कुछ फीस लेकर कोर्स को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने के बाद प्रमाण-पत्र दिया जाएगा।
4. इस उपलब्ध पाठ्यक्रम के 4 भाग है – वीडियो व्याख्यान, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, अध्ययन सामग्री, परीक्षा व प्रश्नोत्तरी के माध्यम से स्वमूल्यांकन परीक्षा व अंतिम शंकाओं के समाधान के लिए विचार-विमर्श Online
5. इस पोर्टल पर इंजीनियरिंग, विज्ञान, मानविकी, भाषा, वाणिज्य, प्रबंधन, पुस्तकालय, शिक्षा आदि विषयों के कार्से उपलब्ध है।

Dr. Mukesh Pancholi

स्वयं प्रभा –

यह MHRD व AICTE ने संयुक्त रूप से DTH T.V. Channels को भी प्रारंभ किया है, जो कि 'स्वयं प्रभा' के नाम से जाना जाता है। यह DTH के माध्यम से अधिकतम सीखने के कौशल को उन्नत करता है, 24 × 7 शैक्षिक कार्यक्रमों का प्रसारण करता है। इसमें 32 उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षिक चैनल प्रदान किए जा रहें है।

इसमें विविध विषयों को कवर करने वाला पाठ्यक्रम सामग्री है, इसका मुख्य उद्देश्य दूरदराज के क्षेत्रों में शिक्षण संसाधनों को पहुंचाना है। जहां इंटरनेट की उपलब्धता अभी भी एक चुनौती है।

Dr. Mukesh Pancholi

कार्यक्रम –

SWAYAM PRABHA में हर दिन कम से कम 4 घंटों के लिए नई सामग्री होगी। जो एक दिन में 5 बार दुहराई जाएगी। ताकि छात्र समयानुसार उसका उपयोग कर सकें।

चैनल BISAG, गांधीनगर से अपलिंक है, NPTEL, IIT, UGC, CEC, IGNOU, NCERT व NIOS द्वारा सामग्री प्रदान की जाती है, INFLIBNET वेब पोर्टल की रख-रखाव करता है।

Dr. Mukesh Pancholi

DTH चैनल में शामिल है -

1. **उच्च शिक्षा –** कला, विज्ञान, वाणिज्य, प्रदर्शन कला, सामाजिक विज्ञान, मानविकी, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, कानून, चिकित्सा, कृषि आदि सभी पाठ्यक्रमों में स्नातकोत्तर व स्नातक स्तर की पढ़ाई के पाठ्यक्रम आधारित अध्ययन सामग्री।
2. **स्कूली शिक्षा (9 – 12 कक्षा) –** शिक्षक-प्रशिक्षण के साथ-साथ भारत के बच्चों के लिए शिक्षण व प्रशिक्षण के लिए मॉड्यूल, उन्हें विषय को बेहतर ढंग से समझने में मदद करते है और पेशेवर डिग्री कार्यक्रमों के लिए प्रवेश के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी मदद करते है।

Dr. Mukesh Panchol

3. पाठ्यक्रम आधारित शिक्षण/अध्ययन सामग्री जो भारत व विदेशों में भारतीय नागरिकों के जीवन भर के सीखने वालों की जरूरतों को पूरा करते है।
4. सहायक कार्यक्रम में (11वीं, 12वीं) विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते है।

3. इंडिया इनोवेशन इनिशिएटिव (AICTE-CII-i3) –

i3 भारत की सबसे प्रतिष्ठित व बहुप्रतीक्षित राष्ट्रीय नवाचार चुनौतियों में से एक है। जिसे भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) द्वारा विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग (DST) भारत सरकार व अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् की साझेदारी में बढ़ावा दिया गया है।

Dr. Mukesh Pancholi

2009 से स्थापना के बाद से i3, CII द्वारा विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार व AICTE द्वारा संयुक्त रूप से प्रमोट किया जा रहा है।

Start-up India, Make In India व Digital India जैसे मिशनों पर भारत सरकार के भागीदार के रूप में, CII इनक्यूबेटर, एक्सिलरेटर जैसे प्रमाणित प्रशिक्षकों का एक पूल बनाकर, भारत के स्टार्टअप तंत्र को विकसित व मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है। 2019 में इसका 11वां संस्करण था।

Dr. Mukesh Pancholi

4. स्वच्छ व स्मार्ट परिसर, 2017 –

इस पुरस्कार का उद्देश्य सभी हितधारकों के कल्याण के लिए जोड़ना/मुख्य रूप से छात्र समुदाय को इस ओर आकर्षित करना कि प्रौद्योगिकी अमूर्त्त उद्देश्य – स्वच्छता, स्थिरता, आदि प्रदान करती है, क्योंकि वर्तमान में क्लाउड्स, रोबोटिक्स का उपयोग बढ़ता जा रहा है।

जैसे प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ रहा है, उस अनुसार एक परिसर स्मार्ट परिसर होना चाहिए, और ये स्मार्ट परिसर तभी भविष्य में भी स्मार्ट रह सकते है, जब Energy Resource का अनुकूलतम उपयोग, पानी की खपत आवश्यकतानुसार करें।

Dr. Mukesh Pancholi

तभी Smart Campus Smart Citizen – जो कि भविष्य के लिए तैयार करेंगे Smart City Smart India.

Clean & Smart Campus संयुक्त राष्ट्र सतत् विकास लक्ष्यों के लिए छात्रों, शिक्षकों व प्रशासकों के बीच विचारों को साझा करने की सुविधा देता है।

इस प्रकार को 3 श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाएगा-

i. AICTE द्वारा जिन Polytechnic college को मंजूरी दी।
ii. AICTE द्वारा Approved College (PGDSM संस्थान सहित।
iii. AICTE द्वारा अनुमोदित Deemed / University.

Dr. Mukesh Pancholi

मूल्यांकन क्षेत्र –

(A) स्वच्छ परिसर

(B) स्मार्ट परिसर

(A) स्वच्छ परिसर –

1. परिसर व उसके आस-पास सफाई, कचरा कम से कम।
2. जल संरक्षण व प्रबंधन, अपशिष्ट जल प्रबंधन व पुन: उपयोग, वर्षा जल संचयन आदि।
3. परिसर में पर्यावरण अनुकूल गतिविधियां।
4. प्रदूषण मुक्त हवा के लिए हरियाली कार्बन सिंक आदि।

Dr. Mukesh Pancholi

(B) Smart Campus –

- प्राकृतिक संसाधनों / कागज, गैस, ऊर्जा की खपत को कम करने के लिए परिसर में डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग।
- परिसर में क्लाउड नेटवर्किंग, बिना डेटा आदि का उपयोग।
- कैंपस, संस्थान व राष्ट्रीय स्तर के संस्थान, आपस में Smartly Connect हो ताकि सूचनाओं को साझा करने के लिए एक स्मार्ट तंत्र हो।

Dr. Mukesh Pancholi

5. स्टार्ट-अप प्रतियोगिता –

AICTE की छात्र स्टार्ट-अप पॉलिसी का शुभारंभ श्री प्रणब मुखर्जी (भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति) ने 16 नवम्बर, 2016 को किया गया और इसकी रूप रेखा 'स्टार्ट-अप इंडिया कार्य योजना' पर आधारित थी। भारत भर में 10,000 से अधिक AICTE अनुमोदित संस्थानों में छात्रों द्वारा नवाचारों व स्टार्ट-अप को मार्गदर्शन व बढ़ावा देने के लिए इस की शुरुआत की गई।

जल्द ही भारत की युवा जनसंख्या, जो कि विश्व की सबसे बड़ी आबादी है, वैश्विक स्टार्ट-अप इकोसिस्टम के साथ तीसरे नम्बर पर होगी।

Dr. Mukesh Pancholi

छात्र संचालित नवाचारों व स्टार्ट-अप की बड़ी संख्या बनाने में मदद करने के लिए और जो देश के विकास के लिए आर्थिक व सामाजिक मूल्य जोडेगा, उसके लिए निम्न रणनीतियों को अपनाया जाएगा –

- राष्ट्रीय, राज्य व विश्वविद्यालय स्तर पर जागरूकता पैदा करना, छात्रों को पसंदीदा केरियर के रूप में उद्यमशीलता के लिए प्रोत्साहित करना।
- छात्रों को नवाचारों व उद्यमिता संबंधित गतिविधियों में भाग लेने के लिए जोखिम व नेतृत्व के अवसर प्रदान किए जाऐंगे।

Dr. Mukesh Pancholi

- संस्थानों व विश्वविद्यालयों के लिए नीतिगत उपायों व दिशानिर्देशों को अपने संबंधित परिसर में छात्रों को नवाचारों और उद्यमिता को बढ़ाने व भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन।
- शिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम।
- छात्र अपने संबंधित संस्थानों में जिज्ञासा संचालित नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए क्षमता विकास कार्यक्रम शुरु करें।
- स्टार्ट-अप के लिए अनुकूलित शिक्षण व प्रशिक्षण सामग्री विकसित करें।

Dr. Mukesh Pancholi

6. विश्वकर्मा पुरस्कार –

AICTE, MHRD, Govt of India ने AICTE के स्वीकृत संस्थानों व छात्रों के लिए AICTE-Vishwkarma Award – 2020 प्रतियोगिता आयोजित की है।

इसकी शुरुआत 2017 में की गई –

(A) छात्र विश्वकर्मा अवार्ड, 2017 –

AICTE व इंजिनियरिंग काउंसिल ऑफ इंडिया (ECI) के संयुक्त तत्वाधान में दिया गया।

इस वर्ष की थीम थी 'वर्तमान संस्थानों को स्मार्ट संस्थानों में नवाचार तकनीकों के उपयोग द्वारा बदलना'।

Dr. Mukesh Pancholi

(B) छात्र विश्वकर्मा अवार्ड, 2018 –

AICTE & ECI के सहयोग से दूसरा AICTE-ECI-ISTE छात्र विश्वकर्मा अवार्ड, 2018 घोषित किया गया।

इस वर्ष की थीम 'तकनीकों के प्रयोग द्वारा गांवों को सशक्त बनाना'।

(C) छात्र विश्वकर्मा अवार्ड, 2019 –

थीम 'गांवों की आय को कैसे बढ़ाया जाए'।

(D) छात्र विश्वकर्मा अवार्ड, 2020 –

थीम 'India Fights Corona'

Dr. Mukesh Pancholi

7. राष्ट्रीय डॉक्टरल फैलोशिप (NDF) – 2019

NDF Scheme को AICTE द्वारा प्रयोजित है। इसमें तकनीकी व प्रौद्योगिकी क्षेत्र में पीएचडी के लिए वित्तीय सहायता दी जाती है, यह सहायता 3 वर्ष के लिए होती है – जिसमें पहले दो वर्षों के लिए 31000 / PM व तीसरे वर्ष के लिए 35000 / PM दिया जाता है। ताकि तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में उत्साहित व नवीन अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए उज्जवल युवा उम्मीदवारों को अनुसंधान सहायता प्रदान करें। इसमें कुल 150 उम्मीदवारों का चयन NDF के तहत किया जाएगा।

Dr. Mukesh Pancholi

8. सक्षम छात्रवृत्ति 2014-15 –

AICTE द्वारा कार्यान्वित SAKSHAM योजना के तहत् अलग-अलग विकलांग छात्रों के लिए छात्रवृत्ति कार्यक्रम। इसकी कुछ शर्तें –

i. विकलांग छात्रों के लिए यह छात्रवृत्ति है।
ii. विकलांगता 40% से कम होना चाहिए।
iii. परिवार की आय सभी साधनों से 8 लाख से कम होनी चाहिए।
iv. छात्र ने भारत में AICTE द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान में तकनीकी डिप्लोमा/डिग्री कोर्स के प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया हो।

Dr. Mukesh Pancholi

- इसमें हर साल 1000 छात्रों को योग्यता परीक्षा में उनकी योग्यतानुसार चुना जाता है। इसमें 500 डिप्लोमा कोर्स, 500 डिग्री कोर्स के विद्यार्थियों के लिए आरक्षित है।
- 30,000 रु. या वास्तविक शिक्षण शुल्क जो भी कम हो मिलता है। यदि किसी विद्यार्थी की ट्यूशन फीस माफ हो जाती है, तो वह किताबें, उपकरण, वाहन आदि खरीदने के लिए 30,000 रु. प्राप्त करेगा।
- 10 महीने के लिए 2000 PM आकस्मिक शुल्क।

Dr. Mukesh Pancholi